Set No-2

Series CAB2D/2

Q.P.Code 4/2/2

Roll No. | | | | | | | |

परीक्षार्थी प्रश्न–पत्र कोड को उत्तर–पुस्तिका के मुख–पृष्ठ पर अवश्य लिखें।

- **नोटः–** कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न–पत्र में मुद्रित पृष्ठ **13** हैं।
- प्रश्न–पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए प्रश्न–पत्र कोड को छात्र उत्तर–पुस्तिका के मुख–पृष्ठ पर लिखें।
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न–पत्र में **18** प्रश्न हैं।
- **कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, उत्तर–पुस्तिका में प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें।**
- इस प्रश्न–पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है। प्रश्न–पत्र कर वितरण पूर्वाह्न में 10.15 बजे किया जाएगा। 10.15 बजे से 10.30 बजे तक छात्र केवल प्रश्न–पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर–पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे।

हिन्दी (HINDI)

पाठ्यक्रम (COURSE-B)

संकेत एवं उत्तर (HINTS & SOLUTIONS)

निर्धारित समय : 3 घण्टे **अधिकतम् : 80**

सामान्य निर्देश :

निम्नलिखित निर्देशों को बहुत सावधानी से पढ़िए और उनका सख़्ती से अनुपालन कीजिए:

निम्नलिखित निर्देशों को बहुत सावधानी से पढ़िए और उनका सख़्ती से अनुपालन कीजिए:

(i) इस प्रश्न–पत्र में कुल 18 प्रश्न है। सभी प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।

(ii) इस प्रश्न –पत्र में दो खंड हैं– **खंड 'अ' और ब'।**

(iii) **खंड–अ** में उपप्रश्नों सहित 45 बहुविकल्पी/वस्तुपरक प्रश्न पूछे गए हैं। दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए प्रश्नों के उत्तर दीजिए। कुल 40 प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

(iv) **खंड 'ब'** में वर्णनात्मक प्रश्न पूछे गए है, आंतरिक विकल्प भी दिए गए हैं।

(v) प्रश्नों के उत्तर दिये गए निर्देशों पालन करते हुए लिखिए।

(vi) यथासंभव दोनों खंडों के प्रश्नों के उत्तर क्रमशः लिखिए।

खंड 'अ'
वस्तुपरक/बहुविकल्पीय प्रश्न

1. **निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उस पर आधारित प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिएः** **5 × 1 = 5**

प्रायः ऐसा होता है, कोई भी वक्तव्य सुनने के बाद जब सुनने वालों से पूछें कि क्या बोला गया है, तो सौ लोगों के सौ जवाब मिलते हैं; जितने सुनने वाले, उतने ही अर्थ । इसलिए आपस में बड़े विवाद भी होते हैं । बुद्ध से एक बार उनके शिष्य ने पूछा, क्या हम वही सुन पाते हैं, जो आप बोलते हैं ? जब मैं दूसरों से बात करता हूँ, तो पता चलता है कि उन्होंने कुछ और सुना, जबकि मैंने कुछ और।' बुद्ध ने कहा, यह स्वाभाविक है। बोली तो एक ही बात जाती है, लेकिन सुनी उतनी जाती है जितने सुनने वाले हैं, क्योंकि तुम मन से सुनते हो, आत्मा से नहीं। कल रात मैंने अंतिम प्रवचन के बाद कहा कि–उठो; रात्रि का अंतिम कार्य करो। कल समागम में एक चोर और एक गृहस्थ भी आए थे। जब मैंने कहा कि अब रात्रि के अंतिम काम में संलग्न हो जाओ, तब तुम्हें ख्याल आया ध्यान का, चोर ने सोचा कि काफी रात हो गई, चाँद ऊपर चढ़ गया है, अब चौर्यकर्म का वक्त हुआ। गृहस्थ ने सोचा, बहुत देर हो गई, पता नहीं, घर जाने के लिए कोई वाहन अब मिलेगा भी या नहीं ? मैंने एक ही बात कही थी। गृहस्थ ने अपना अर्थ लिया और चोर ने अपना। फिर भिक्षुओं ने भी इसके अलग–अलग अर्थ ही लिए होंगे।

सुनना बहुत कठिन बात है, क्योंकि सुनने की कला वास्तव में कभी सिखाई नहीं जाती । बोलने की कला के तो बड़े प्रशिक्षण दिए जाते हैं। मगर यदि सुनने वाले सही न हों तो अर्थ का अनर्थ हो जाता है। सुनने के लिए आपका मन शांत और स्वीकार भाव में होना चाहिए।

(i) कहे गए वक्तव्य का, अलग–अलग लोगों द्वारा अलग–अलग जवाब क्यों मिलता है?
(A) प्रत्येक व्यक्ति द्वारा अपनी मनःस्थिति के अनुरूप अर्थ लगाने के कारण
(B) प्रत्येक व्यक्ति द्वारा अपनी योग्यता के अनुरूप अर्थ लगाने के कारण
(C) कही गई बात को ध्यान से न सुन पाने के कारण
(D) कही गई बात का महत्त्व न जानने के कारण

उत्तर–(A) प्रत्येक व्यक्ति द्वारा अपनी मनःस्थिति के अनुरूप अर्थ लगाने के कारण

(ii) गद्यांश के आधार पर लोगों के बीच विवाद का कारण है –
(A) कही गई बात का अर्थ न समझ पाना।
(B) स्वयं को दूसरे से श्रेष्ठ सिद्ध समझना ।
(C) अपनी ही बात को सही ठहराना ।
(D) अपने सामने दूसरों को महत्त्व न देना ।

उत्तर–(B) स्वयं को दूसरे से श्रेष्ठ सिद्ध समझना ।

(iii) शिष्य द्वारा बुद्ध से क्या पूछा गया ?
(A) संसार में लोगों के दुखों का कारण
(B) लोगों के बीच आपसी विवाद का कारण
(C) दो व्यक्तियों के बीच भिन्नता का कारण
(D) कही गई एक ही बात के भिन्न अर्थ ग्रहण करने का कारण

उत्तर–(D) कही गई एक ही बात के भिन्न अर्थ ग्रहण करने का कारण

(iv) गृहस्थ की चिंता का क्या कारण था ?
(A) रात का काफी समय बीत जाना ।
(B) वाहन के न मिलने की आशंका ।
(C) बुद्ध की बातों का अर्थ न समझ पाना ।
(D) देर रात्रि में अकेले घर जाना ।

उत्तर–(B) वाहन के न मिलने की आशंका।

(v) सुनने के लिए आवश्यकता है –
(A) वक्ता की बात में स्पष्टता की
(B) आसपास के वातावरण में शांति की
(C) सहज सरल शब्दों में बात कही जाने की
(D) मन के शांत और स्वीकार भाव में होने की

उत्तर–(D) मन के शांत और स्वीकार भाव में होने की

2. **निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर इसके आधार पर सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए :**

5 × 1 = 5

आज पूरी दुनिया में व्यापक जल संकट है। एक तरफ हिमनद (ग्लेशियर) का पिघलना और दूसरी तरफ बाढ़–सुखाड़ का बढ़ना आम होता जा रहा है। आमतौर पर नदियों में पानी घट रहा है। हिमनद जब पिघलता है, तो ऊपर नदियों के उद्गम के पास ही लोग उसका उपयोग कर लेते हैं। हिमनदों के पिघलने के कारण हमारे समुद्रों पर भी उसका दुष्प्रभाव पड़ रहा है। नदियों में जो सतत प्रवाह है, उसमें भी धीरे–धीरे संकट बढ़ता जा रहा है। जल–स्रोत संकट में आते जा रहे हैं। यह जो जल–स्रोत का संकट है, उससे बचने के उपाय भी बहुत साफ हैं। जहाँ हिमनद पिघल रहे हैं, उनके आस–पास जंगलों का होना जरूरी है। जंगल नहीं होते हैं, तो सूरज से आने वाली लाल गरमी वहाँ का तापमान बढ़ा देती है और उस तापमान के चलते हिमनद और तेजी से पिघलकर नीचे आने लगते हैं। जब वहाँ जंगल होते हैं, तो सूरज से आने वाली गरमी से धरती तपती नहीं है, उसे बुखार नहीं चढ़ता । हिमनदों के आस–पास के इलाकों में हरियाली बढ़ाना अब बहुत जरूरी है । इन इलाकों में होने वाले कटाव को भी रोकना चाहिए ।

आज नदियों और तालाबों की स्थिति भी अच्छी नहीं है। अधिकतर नदियाँ सूख गई हैं और जो बची हैं, वे मैला ढोनेवाली मालगाड़ी बन गई हैं। जिस देश में नदियाँ सूखती हैं, वहाँ की सभ्यता भी सूखने लगती है। नदियों का हमारी सभ्यताओं और जीवन से गहरा रिश्ता है।

(i) उपर्युक्त गद्यांश में लेखक की चिंता का विषय है –

(A) पिघलते हिमनद (B) घटते वन प्रदेश (C) प्रदूषित होती नदियाँ (D) बढ़ता जल संकट

उत्तर–(D) बढ़ता जल संकट

(ii) गद्यांश के आधार पर ग्लेशियरों के पिघलने का कारण है –

(A) धरती का बढ़ता तापमान (B) बढ़ती प्रातिक आपदाएँ

(C) नदियों का सूख जाना (D) जल स्रोत का बढ़ता संकट

उत्तर–(A) धरती का बढ़ता तापमान

(iii) 'उसे बुखार नहीं चढ़ता' से अभिप्राय है –

(A) उसकी सेहत खराब नहीं होती। (B) मौसम का मिजाज नहीं बिगड़ता।

(C) उसका (धरती का) तापमान नहीं बढ़ता। (D) वह हरी–भरी बनी रहती है।

उत्तर–(C) उसका (धरती का) तापमान नहीं बढ़ता।

(iv) निम्नलिखित में नदियों और सभ्यता के बीच के रिश्ते के विषय में क्या असत्य है ?

(A) दोनों एक–दूसरे पर आश्रित हैं।

(B) नदियों के किनारे ही सभ्यता का विकास हुआ है।

(C) नदियों के न रहने से सभ्यता का अंत निश्चित है।

(D) विश्व की प्राचीन सभ्यता नदियों के किनारे ही पनपी।

उत्तर–(D) विश्व की प्राचीन सभ्यता नदियों के किनारे ही पनपी।

(v) 'दो तिहाई नदियाँ मैला ढोनेवाली मालगाड़ी बन गई हैं'–

पंक्ति का आशय है –

(A) अत्यधिक गर्मी के कारण सूख गई हैं। (B) प्रदूषण के कारण काली पड़ गई हैं।

(C) ये नदियाँ शहरी कचरा ढो रही हैं। (D) मालगाड़ी की तरह चल रही हैं।

उत्तर–(C) ये नदियाँ शहरी कचरा ढो रही हैं।

3. निर्देशानुसार पदबंध पर आधारित निम्नलिखित पाँच बहुविकल्पी प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए : **4 × 1 = 4**

(i) निम्नलिखित में से क्रिया–विशेषण पदबंध का उदाहरण है :

(A) महंतजी देश के कोने–कोने से साधुओं को बुलाएँगे।

(B) महंतजी देश के कोने–कोने से साधुओं को बुलाएँगे।

(C) महंतजी देश के कोने–कोने से साधुओं को बुलाएँगे।

(D) महंतजी देश के कोने–कोने से साधुओं को बुलाएँगे।

उत्तर–(C) महंतजी देश के कोने–कोने से साधुओं को बुलाएँगे।

(ii) 'एक नौकर रख लिया है, वही उन्हें बनाता–खिलाता है।' रेखांकित पदबंध का भेद है –

(A) संज्ञा पदबंध (B) क्रिया पदबंध (C) सर्वनाम पदबंध (D) क्रिया–विशेषण पदबंध

उत्तर–(B) क्रिया पदबंध

(iii) 'दूसरे वर्ग में गाँव के प्रगतिशील विचारों वाले लोग हैं।' इस वाक्य में विशेषण पदबंध का उदाहरण है –

(A) दूसरे वर्ग में (B) गाँव के प्रगतिशील

(C) प्रगतिशील विचारों वाले (D) विचारों वाले लोग हैं

उत्तर–(C) प्रगतिशील विचारों वाले

(iv) 'एक साफ–सुथरे कमरे में पलंग पर बिस्तरा लगाकर उनके आराम का प्रबंध करें।' इस वाक्य में रेखांकित पदबंध का भेद है –

(A) संज्ञा पदबंध (B) सर्वनाम पदबंध (C) विशेषण पदबंध (D) क्रिया पदबंध

उत्तर–(A) संज्ञा पदबंध

(v) 'हरिहर काका के परिवार के पास कुल साठ बीघे खेत हैं।' –इस वाक्य में संज्ञा पदबंध का उदाहरण नहीं है –

(A) हरिहर काका के परिवार (B) परिवार के पास (C) साठ बीघे खेत(D) कुल साठ बीघे खेत

उत्तर–(D) कुल साठ बीघे खेत

4. निर्देशानुसार 'रचना के आधार पर वाक्य भेद' पर आधारित पाँच बहुविकल्पी प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए **4 × 1 = 4**

(i) निम्नलिखित में से उपयुक्त सरल वाक्य छाँटकर लिखिए :

(A) परंतु याद नहीं कि उन्हें तोड़कर, सूंघकर फिर क्या करते।

(B) पहले दो–तीन सप्ताह तो खूब खेल–कूद हुआ करती।

(C) कपड़े उतार पानी में कूद जाते और बाहर निकल रेत पर लोटने लगते।

(D) जैसे–जैसे दिन 'छोटे' होने लगते स्कूल का भय बढ़ने लगता।

उत्तर–(B) पहले दो–तीन सप्ताह तो खूब खेल–कूद हुआ करती।

(ii) 'मास्टरों ने जो छुट्टियों में करने के लिए काम दिया होता उसका हिसाब लगाने लगते।' रचना के आधार पर वाक्य–भेद है –

(A) सरल वाक्य (B) संयुक्त वाक्य (C) मिश्र वाक्य (D) साधारण वाक्य

उत्तर–(C) मिश्र वाक्य

(iii) **स्तंभ–1** और **स्तंभ–2** को सुमेलित कीजिए और सही विकल्प चुनकर लिखिए ।

	स्तंभ–1	स्तंभ–2
(1)	हमारे दो परिवारों में मैं पहला लड़का था जो स्कूल जाने लगा था।	(I) सरल वाक्य
(2)	हमारे दोनों परिवारों में स्कूल जाने वाला मैं पहला लड़का था।	(II) संयुक्त वाक्य
(3)	हमारे दो परिवार थे और मैं स्कूल जाने वाला पहला लड़का था।	(III) मिश्र वाक्य

(A) (1-II), (2-III), (3-I) (B) (1-III), (2-I), (3-II)

(C) (1-I), (2-II), (3-III) (D) (1-III), (2-II), (3-I)

उत्तर–(B) (1-III), (2-I), (3-II)

(iv) निम्नलिखित वाक्यों में मिश्र वाक्य है:

(A) लोगों को फौज में भरती करने के लिए कुछ अफसर आते।

(B) मास्टर प्रीतमचंद को स्कूल के समय कभी भी मुसकराते नहीं देखा था।

(C) परंतु फारसी भाषा जो थी वह तो अंग्रेजी से भी मुश्किल थी।

(D) पाँचवीं श्रेणी में अंग्रेजी भाषा की पढ़ाई शुरू होती थी।

उत्तर–(C) परंतु फारसी भाषा जो थी वह तो अंग्रेजी से भी मुश्किल थी।

(v) 'अनपढ़ होते हुए भी हरिहर काका को दुनिया की बेहतर समझ है।' इस वाक्य का संयुक्त वाक्य होगा –

(A) यद्यपि हरिहर काका अनपढ़ है फिर भी उन्हें दुनिया की बेहतर समझ है।

(B) अनपढ़ हरिहर काका को दुनिया की बेहतर समझ है।

(C) हरिहर काका अनपढ़ है परंतु उन्हें दुनिया की बेहतर समझ है।

(D) अनपढ़ हरिहर काका द्वारा दुनिया की बेहतर समझ रखी जाती थी।

उत्तर–(C) हरिहर काका अनपढ़ है परंतु उन्हें दुनिया की बेहतर समझ है।

5. निर्देशानुसार 'समास' पर आधारित निम्नलिखित पाँच बहुविकल्पी प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्पों को चुनकर लिखिए: 4 × 1 = 4

(i) 'गिरिधर' समस्तपद कौन–से समास का उदाहरण है ?

(A) द्विगु समास (B) बहुव्रीहि समास (C) तत्पुरुष समास (D) अव्ययीभाव समास

उत्तर–(B) बहुव्रीहि समास

(ii) 'चंद्रमुखी' समस्तपद का विग्रह होगा–

(A) चंद्रमा के समान मुख वाली (B) चंद्रमा के समान मुख

(C) चंद्र रूपी मुख (D) मुख रूपी चंद्र

उत्तर–(A) चंद्रमा के समान मुख वाली

(iii) निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिए:

	समस्तपद		समास
(1)	तीव्र है बुद्धि जिसकी	(I)	द्विगु समास
(2)	हाथ और पैर	(II)	कर्मधारय समास
(3)	छह रसों का समाहार	(III)	बहुव्रीहि समास
(4)	स्त्री रूपी रत्न	(IV)	द्वंद्व समास

उपर्युक्त युग्मों को सुमेलित कीजिए और सही विकल्प चुनकर लिखिए।

(A) (1-II), (2-III), (3-IV), (4-I) (B) (1-I), (2-II), (3-IV), (4-III)

(C) (1-III), (2-IV), (3-I), (4-II) (D) (1-IV), (2-III), (3-II), (4-I)

उत्तर–(C) (1-III), (2-IV), (3-I), (4-II)

(iv) 'प्राणप्रिय' समस्तपद के लिए सही समास–विवाह और समास के नाम का चयन कर लिखिए:

(A) प्राणों के समान प्रिय है जो–बहुव्रीहि समास

(B) प्राणों में प्रिय–अव्ययीभाव समास

(C) प्राणों की प्रिय–तत्पुरुष समास

(D) प्राणों के समान प्रिय–कर्मधारय समास

उत्तर–(D) प्राणों के समान प्रिय–कर्मधारय समास

(v) निम्नलिखित में द्विगु समास का उपयुक्त उदाहरण छाँटकर लिखिए।

(A) पंजाब (B) निर्दय (C) तपोधन (D) महावीर

उत्तर–(A) पंजाब

6. **निर्देशानुसार 'मुहावरे' पर आधारित निम्नलिखित छह बहुविकल्पी प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए।** **4 × 1 = 4**

(i) मुहावरे और अर्थ के उचित मेल वाले विकल्प का चयन कर लिखिए

(A) हिम्मत टूटना – हार मान लेना (B) आँख फोड़ना–शत्रु को हराना

(C) लाज रखना–सम्मान की रक्षा करना (D) दबे पाँव आना–धीरे–धीरे आना

उत्तर–(A) हिम्मत टूटना–हार मान लेना

(ii) 'बहुत आसान काम' अर्थ के लिए उपयुक्त मुहावरा है–

(A) बाएँ हाथ का खेल (B) तीर मारना (C) छुट्टी करना (D) तरस खाना

उत्तर–(A) बाएँ हाथ का खेल

(iii) 'सुराग न मिलना' मुहावरे का अर्थ है–

(A) पता/जानकारी न मिलना (B) उपाय न मिलना

(C) बिखर जाना (D) रहस्यमय ढंग से रहना

उत्तर–(A) पता/जानकारी न मिलना

(iv) रेखांकित अंश के लिए कौन–सा मुहावरा उचित रहेगा?

'परीक्षा में प्रथम आने के लिए बहुत <u>मेहनत करनी पड़ती है।</u>'

(A) पापड़ बेलना (B) आँख बचाना (C) दिन गिनना (D) हाय–हाय करना

उत्तर–(A) पापड़ बेलना

(v) ''पिता ______ की तरह दिन–रात काम में लगे रहते हैं और इसे मौज मस्ती से फुरसत नहीं है।''

रिक्त स्थान की पूर्ति के लिए उपयुक्त मुहावरा भवन का लिखिए।

(A) खाक छानना (B) अड़ियल टट्टू (C) कोल्हू का बैल (D) दूध की मक्खी

उत्तर–(C) कोल्हू का बैल

(vi) निम्नलिखित में से 'ऊँचाई पर होना' अर्थ के लिए उचित मुहावरा है–

(A) खुशी का ठिकाना न रहना (B) लोहे के चने चबाना

(C) तीर मारना (D) सातवें आसमान पर होना

उत्तर–(D) सातवें आसमान पर होना

7. **निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर आधारित दिए गए प्रश्नों के उत्तर के लिए सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर जाने विकल्प चुनकर रिखिए।** **5 × 1 = 5**

दुनिया कैसे वजूद में आई ? पहले क्या थी। किस बिंदु से इसकी यात्रा शुरू हुई? इन प्रश्नों के उत्तर विज्ञान अपनी तरह से देता है, धार्मिक ग्रंथ अपनी–अपनी तरह से। संसार की रचना भले ही कैसे हुई हो लेकिन धरती किसी एक की नहीं है। पंछी, मानक, पशु, नदी, पर्वत, समंदर आदि की इसमें बराबर की हिस्सेदारी है। यह और बात है कि इस हिस्सेदारी में मानव जाति ने अपनी बुद्धि से बड़ी–बड़ी दीवारे खड़ी कर दी हैं। पहले पूरा संसार एक परिवार के समान था अब टुकड़ों में बँटकर एक–दूसरे से दूर हो चुका है। पहले बड़े–बड़े दालानों–आँगनों में सब मिल–जुलकर रहते थे, अब छोटे–छोटे डिब्बे जैसे घरों में जीवन सिमटने लगा है। बढ़ती हुई आबादियों ने समंदर को पीछे सरकाना शुरू कर दिया है, पेड़ों को रास्तों से हटाना शुरू कर दिया है, फैलते हुए प्रदूषण ने पंछियों को बस्तियों से भगाना शुरू कर दिया है। बारूदों की विनाशलीलाओं ने वातावरण को सताना शुरू कर दिया। अब गरमी में ज्यादा गर्मी, बेवक्त की बरसाते, जलजले, सैलाब, तूफान और नित नए रोग, मानव और प्रकृति के इसी असंतुलन के परिणाम हैं।

(i) गद्यांश में आई पंक्ति–'पहले पूरा संसार एक परिवार के समान था अब टुकड़ों में बँटकर एक–दूसरे से दूर हो चुका है।' का भाव है–

(A) संसार देश और प्रांत में बँट चुका है।

(B) संयुक्त परिवार एकल परिवारों में बंट गए हैं।

(C) वसुधैव कुटुम्बकम् की भावना समाप्त हो गई है।

(D) एक देश से दूसरे देश को जाना कठिन हो गया है।

उत्तर– (C) वसुधैव कुटुम्बकम् की भावना समाप्त हो गई है।

(ii) गद्यांश में प्रयुक्त 'छोटे–छोटे डिब्बे जैसे घर'–संकेत करते हैं–

(A) फ्लैट संस्कृति की ओर
(B) एक कमरे के घरों की ओर
(C) छोटे–छोटे घरों की ओर
(D) बहुमंजिला इमारतों की ओर

उत्तर–(D) बहुमंजिला इमारतों की ओर

(iii) बढ़ती हुई आबादी को बसाने के लिए क्या नहीं किया गया?

(A) समंदर की जमीन को हथियाना शुरू कर दिया गया।
(B) वन प्रदेश का सफाया करना शुरू कर दिया गया।
(C) पशु–पक्षियों को घर से बेघर कर दिया गया।
(D) खनिज पदार्थों का मनमाना दोहन किया गया।

उत्तर–(D) खनिज पदार्थों का मनमाना दोहन किया गया।

(iv) गद्यांश के अनुसार बढ़ती प्राकृतिक आपदाएँ परिणाम हैं–

(A) दिनोंदिन बढ़ने वाले प्रदूषण का
(B) मनुष्य के बढ़ते लालच का
(C) मानव और प्रकृति के बीच असंतुलन का
(D) पर्वतीय प्रदेशों में होने वाले कटाव का

उत्तर–(C) मानव और प्रकृति के बीच असंतुलन का

(v) निम्नलिखित कथन तथा कारण को ध्यानपूर्वक पढ़िए और दिए गए विकल्पों में से कोई एक सही विकल्प चुनकर लिखिए।

कत्थन : फैलते हुए प्रदूषण ने पंछियों को बस्तियों से भगाना शुरू कर दिया है।
कारण : मानव ने अपनी बुद्धि से बड़ी–बड़ी दीवारे खड़ी कर दी हैं।

(A) कथन तथा कारण दोनों गलत है।
(B) कथन गलत है, लेकिन कारण सही है।
(C) कथन सही है, लेकिन कारण उसकी गलत व्याख्या करता है।
(D) कथन तथा कारण दोनों सही हैं तथा कारण कथन की सही व्याख्या करता है।

उत्तर–(D) कथन तथा कारण दोनों सही हैं तथा कारण कथन की सही व्याख्या करता है।

8. **गद्य खंड पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर देने के लिए सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प को चुनकर लिखिए।** **2 × 1 = 2**

(i) 'तीसरी कसम के शिल्पकार शैलेंद्र' पाठ के आधार पर उत्तर दीजिए कि फिल्मों में त्रासद स्थितियों की भी प्रशंसा (ग्लोरोफाई) क्यों की जाती है?

(A) अधिक से अधिक धन कमाने हेतु
(B) दर्शकों का मनोरंजन करने हेतु
(C) अधिकाधिक लोकप्रियता पाने हेतु
(D) दर्शकों का भावात्मक शोषण करने हेतु

उत्तर–(D) दर्शकों का भावात्मक शोषण करने हेतु

(ii) 'बड़े भाई साहब' पाठ के कथानायक के आंसू बहाने का कारण है –

(A) आगे की कथा की कठिन पढ़ाई का डर
(B) बड़े भाई साहब की डाँट–फटकार
(C) अम्मा–बाबा की याद आना
(D) अध्यापकों की डाँट फटकार

उत्तर–(B) बड़े भाई साहब की डाँट–फटकार

9. **निम्नलिखित पठित पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर आधारित दिए गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए।** **5 × 1 = 5**

कस्तूरी कुंडलि बसै, मृग ढूँढै बन माँहि।
ऐसें घटि घटि राम है, दुनियाँ देखे नाँहि ।।
जब मैं था तब हरि नहीं, अब हरि हैं मैं नाँहि।
सब अंधियारा मिटि गया, जब दीपक देख्या माँहि ।।

(i) कस्तूरी कुंडलि बसे... दोहे में किसका वर्णन किया गया है ?
(A) कस्तूरी ढूँढ़ने वाले मृग का
(B) सांसारिकता में लीन मानव का
(C) अपनी ही विशेषता से अनजान मनुष्य का
(D) ईश्वर की सर्वव्यापकता का

उत्तर–(D) ईश्वर की सर्वव्यापकता का

(ii) 'जब मैं था तब हरि नहीं' पंक्ति में 'मैं' से अभिप्राय है–
(A) अहंकार की भावना
(B) स्वार्थ की भावना
(C) सांसारिक माना–मोह
(D) स्वयं कवि

उत्तर–(A) अहंकार की भावना

(iii) 'जब मैं था तब हरि नहीं' दोहे के अनुसार हृदय में ईश्वर का निवास कब तक असंभव है?
(A) जब तक सच्चे हृदय से उसे याद न किया जाए।
(B) जब तक सांसारिक विषय–वासनाओं को न छोड़ा जाए।
(C) जब तक अहंकारपूर्ण व्यवहार का नाश न किया जाए।
(D) जब तक सच्चे हृदय से उसकी सेवा न की जाए।

उत्तर–(C) जब तक अहंकारपूर्ण व्यवहार का नाश न किया जाए।

(iv) 'जब दीपक देख्या माँहि'– पंक्ति में 'दीपक' प्रतीकार्थ है –
(A) प्रभु प्रेम के प्रकाश का
(B) रोशनी के साधन का
(C) प्रकाश का
(D) संपन्नता का

उत्तर–(A) प्रभु प्रेम के प्रकाश का

(v) निम्नलिखित कथन तथा कारण को ध्यानपूर्वक पढ़िए और दिए गए विकल्पों में से कोई एक सही विकल्प चुनकर लिखिए :
कथन : ईश्वर सृष्टि के कण–कण में निवास करते हैं पर हम उन्हें देख नहीं पाते।
कारण : मनुष्य के पास दिव्य दृष्टि नहीं है।
(A) कथन तथा कारण दोनों गलत है।
(B) कथन गलत है, लेकिन कारण सही है।
(C) कथन सही है, लेकिन कारण उसकी गलत व्याख्या करता है।
(D) कथन तथा कारण दोनों सही हैं तथा कारण कथन की सही व्याख्या करता है।

उत्तर–(C) कथन सही है, लेकिन कारण उसकी गलत व्याख्या करता है।

10. **काव्य–खंड पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर देने के लिए सर्वाधिक उचित विकल्प का चयन कर लिखिए।** **2 × 1 = 2**

(i) 'एक दूसरे का सहारा बनते हुए निरंतर आगे बढ़ो' इस भाव को व्यक्त करने वाली पंक्ति है–
(A) रहो न यों कि एक से न काम और का सरे
(B) अतर्क एक पंथ के सतर्क पंथ हो सभी
(C) परस्परावलंब से उठो तथा बढ़ो सभी
(D) तभी समर्थ भाव है कि तारता हुआ तरे

उत्तर– (C) परस्परावलंब से उठो तथा बढ़ो सभी

(ii) 'पर्वत प्रदेश में पावस' कविता के आधार पर लिखिए कि जल में बार–बार कौन झाँक रहा है।
(A) पर्वत (B) झरना (C) तरूवर (D) पुष्प

उत्तर–(A) पर्वत

खंड–'ब'
(वर्णनात्मक प्रश्न)

11. गद्य खंड पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में दीजिए।
2 × 3 = 6

(क) बड़े आई साहब कहानी से उद्धृत पंक्ति – 'बुनियाद ही पुख्ता न हो हो, मकान कैसे पायदार बने।'–का आशय स्पष्ट कीजिए।

उत्तर–बड़े भाई साहब का विचार था कि मकान की नींव कमज़ोर हो तो उस पर मंज़िले खड़ी नहीं हो सकती हैं। यानि अगर पढ़ाई का शुरूआती आधार ठोस नहीं हो तो मनुष्य आगे चलकर कुछ नहीं कर पाता। पढ़ाई के साथ–साथ उसके लिए अनुभव भी बहुत ज़रूरी है।

(ख) 'तीसरी कसम के शिल्पकार शैलेंद्र' पाठ के आधार पर सिद्ध कीजिए कि सिनेमा की चकाचौंध के बीच रहते हुए भी शैलेंद्र यश और घर–लिप्सा से कोसों दूर थे।

उत्तर–वे सिनेमा की चकाचौंध के बीच रहते हुए यश और धन–लिप्सा से कोसों दूर थे। जो बात उनकी जिंदगी में थी वही उनके गीतों में भी। उनके गीतों में सिर्फ करुणा नहीं, जूझने का संकेत भी था और वह प्रक्रिया भी मौजूद थी जिसके तहत अपनी मंजिल तक पहुँचा जाता है। व्यथा आदमी को पराजित नहीं करती, उसे आगे बढ़ने का संदेश देती है। शैलेंद्र गंभीर, संवेदनशील, उदार स्वभाव, शांत जीवन जीने वाले तथा नाम और दाम से दूर रहने वाले कवि–हृदय व्यक्ति थे। उन्होंने निजी जीवन के विचारों को अपने फिल्मी करियर में भी लागू किया। उन्हें साहित्य की गहरी समझ थी। वे उच्च मानवीय मूल्यों का दिल से सम्मान करते थे।

यदि वह कोई मसालेदार फिल्म बनाते तो बहुत पैसा कमा सकते थे, लेकिन 'तीसरी कसम' फिल्म बनाते समय उन्होंने अपने कवि–हृदय और साहित्यिक संस्कारों का ध्यान रखा।

(ग) 'कारतूस' एकांकी के आधार पर लिखिए कि लेफ्टीनेंट को वजीर अली 'भूत' क्यों नजर आ रहा था?

उत्तर–लेफ्टिनेंट ने 'आदमी है या भूत' का प्रयोग वज़ीर अली के लिए किया, क्योंकि वह अंग्रेजों की आँखों में धूल झोंकते हुए कभी भी उनके हाथ नहीं लगता है। वह उन्हें लगातार छकाता हुआ एक स्थान से दूसरे स्थान पर अपने जानिसारों समेत भाग रहा था।

12. काव्य खंड पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में दीजिए : 2 × 3 = 6

(क) 'कर चले हम फिदा' कविता से उद्धृत–'साँस थमती गई, नब्ज जमती गई–पंक्ति के संदर्भ में सैनिक जीवन की कठिनाइयों का उल्लेख कीजिए।

उत्तर–सैनिक अपने देशवासियों को सम्बोधित करते हुए कहता है कि देश के लिए हम स्वयं को न्योछावर कर सभी से विदा ले रहे हैं। अब यह मातृभूमि तुम्हारे हवाले है, जिसकी रक्षा अब तुम्हें ही करनी है। सैनिक कहता है कि हमने अपना कर्तव्य निभाया है। साँस रूकने तक तथा धड़कन के बंद होने तक हमने अपने कदम आगे ही बढ़ाए हैं। हमने खुद को मिटाकर भी हिमालय का मस्तक झुकने से बचाया है।

(ख) 'तोप' कविता के आधार पर लिखिए कि पूर्वजों से मिली धरोहर का क्या महत्त्व है ? इन्हें सँभालकर क्यों रखा जाता है?

उत्तर–विरासत में मिली चीज़ें हमें अपने पूर्वजों, संस्कारों, अनुभवों और रीति–रिवाजों, परम्पराओं आदि का स्मरण कराकर यह भी बताती हैं कि हमारें पूर्वजों से कहाँ और कब किस प्रकार की गलतियाँ हुई थीं और उनका क्या परिणाम निकला। साथ ही इन गलतियों से बचने और इनके समाधान भी बताती हैं। विरासत में मिली चीज़ों की सम्भाल करने के पीछे निम्नलिखित उद्देश्य हो सकते हैं :

(i) आने वाली (नई) पीढ़ी अपने पूर्वजों के विषय में जानकारी रखें।

(ii) आने वाली पीढ़ी अपने पूर्वजों के अनुभवों से सीख ले और उनके द्वारा की गई गलतियों को न दोहराएं।

(iii) पूर्व में मिली विरासत की परम्पराओं को जाने–समझे और उनका पालन भी करें ताकि ये परम्पराएँ अगली पीढ़ी को हस्तांतरित हो सके।

(ग) 'मीरा के पद' के आधार पर लिखिए कि द्रौपदी, प्रह्लाद आदि का उल्लेख कर मीरा भगवान को उनका कौन–सा रूप स्मरण करवा रही है और क्यों?

उत्तर– (i) हे प्रभु! आपने द्रोपदी की लाज बचाकर उसे उबारा था, इसलिए मुझे भी उबारें।

(ii) आपने गजराज को मगरमच्छ से बचाकर उबारा था, इसलिए मुझे भी उबारें।

(iii) आपने नरसिंह रूप धारण कर भक्त प्रहलाद को हिरण्यकश्यप् से बचाया था, इसलिए मुझे भी उबारें।

(iv) मै आपकी भक्त हूँ, आपकी भक्ति के लिए मै आपकी सेविका भी बनने को तैयार हूँ।

13. पूरक पाठ्यपुस्तक पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में दीजिए : 2 × 3 = 6

(क) हरिहर काका की जमीन हड़पने के लिए महंत द्वारा धर्म, माया–मोह का सहारा लिया गया, अपहरण करवाया गया। उनका ऐसा करना आपकी दृष्टि में कितना उचित है ? तर्कपूर्ण उत्तर दीजिए।

उत्तर– (i) आम आदमी की धर्म के प्रति अंध श्रद्धा को धर्म के ठेकेदार कहे जाने वाले महंत, पुजारी आदि अपने स्वार्थ को पूरा करते हैं। वे व्यक्ति को धर्म के नाम पर डरा–डराकर अपनी जेब भरते रहते हैं। जब भी वे किसी व्यक्ति को दुखी, निराश या परेशान करते हैं, तो तुरंत ही मोह–माया की बातें कर उन्हें अपने जाल में फँसा लेते हैं।

(ii) कहानी में हरिहर काका भी इनका शिकार होते हैं। ठाकुरबारी का महंत जानता है कि हरिहर काका की अपनी कोई संतान नहीं है। इसी बात का फायदा उठाकर वह उन्हें अपनी बातों के जाल में फँसाते हुए उनसे कहता है कि उन्हें मोह–माया के फेर में नहीं पड़ना चाहिए और अपने हिस्से की ज़मीन ठाकुरबारी के नाम कर देनी चाहिए। ऐसा करने से उन्हें परलोक की प्राप्ति होगी और गाँव में मान सम्मान भी बढ़ेगा।

(iii) जब हरिहर काका ने अपनी ज़मीन ठाकुरबारी के नाम करने से मना कर दिया तो महंत ने ज़ोर–ज़बरदस्ती कर उनका अँगूठा कागज़ पर लगवा लिया। ऐसी स्थिती में व्यक्ति का मनोवैज्ञानिक दृष्टिकोण ही उसे बचा सकता है, क्योंकि व्यक्ति की सोच–समझ ही उसे सही निर्णय लेने में मदद करती है और उसे धर्म के ठेकेदारों के स्वार्थों से बचा सकती है।

(ख) 'उम्र का फासला आत्मीय संबंधों में बाधा नहीं बनता।' 'हरिहर काका' और 'टोपी शुक्ला' कहानी के आधार पर सिद्ध कीजिए।

उत्तर– 'टोपी शुक्ला' पाठ के माध्यम से लेखक ने मानवीय सम्बंधों के संदर्भ में यह स्पष्ट करने की कोशिश की है कि मानवीय सम्बंध भाषा, जाति, धर्म एवं उम्र से परे होते हैं। उन्हें केवल हृदय की सच्ची भावनाओं और प्यार के बंधनों से ही बाँधा जा सकता है। मुस्लिम परिवार और इफ़्फ़न एवं उसकी दादी तथा हिंदू परिवार के टोपी के बीच जो रिश्ता है, वह धर्म की दीवारों को तोड़कर मानवीयता के धरातल पर निर्मित रिश्ता है, जहाँ किसी भी प्रकार के बंधन को आड़े आने की इजाज़त नहीं है।

हरिहर काका और लेखक पड़ोसी थे। लेखक का हरिहर काका से बहुत घनिष्ठ सम्बंध था। हरिहर काका ने उसे बहुत आत्मीयता के साथ प्यार दिया, विशेष रूप से तब, जब लेखक बहुत छोटा था। इसका एक कारण यह भी है कि हरिहर काका की अपनी कोई संतान नहीं थी और वह अपना सारा प्यार लेखक पर न्योछावर कर देते थे। यही नहीं, वह अपने मन की अधिकांश बातें लेखक के साथ बाँटा करते थे।

(ग) 'सपनों के से दिन' पाठ के आधार पर लिखिए कि बच्चों का खेलकूद में अधिक रुचि लेना अभिभावकों को अप्रिय क्यों लगता है ? पढ़ाई के साथ खेलों का छात्र जीवन में क्या महत्त्व है ? इससे किन जीवन–मूल्यों की प्रेरणा मिलती है ?

उत्तर– प्रस्तुत पाठ स्वयं में गागर में सागर की भूमिका निभाता है। इस पाठ के माध्यम से शिक्षा के मूल्यों, जीवन में खेल–कूद का स्थान, अनुशासन तथा बालमन के उत्साह संबंधित चित्र को हमारे सम्मुख रखता है। इस पाठ के माध्यम से रूढ़िगत शिक्षा प्रणाली के दोषों को प्रस्तुत करते हुए वर्तमान शिक्षा प्रणाली को सुधारने का संदेश दिया गया है। इसी के साथ समाज में उपस्थित उन अभिभावकों को, जो स्वयं कम पढ़े–लिखे या अनपढ़ हैं, उनको शिक्षा के महत्त्व को बताने का प्रयास किया गया है।

14. **निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर दिए गए संकेत–बिंदुओं के आधार पर लगभग 100 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए : 5**

(क) ध्वनि प्रदूषण
संकेत बिंदु– • अर्थ • इसके कारण • हानि • समाधान

(ख) मेरा प्रिय खिलाड़ी
संकेत बिंदु – • नाम • प्रिय लगने के गुण/कारण • उनके जैसा बनने की इच्छा

(ग) परहित सरिस धर्म नहि भाई
संकेत बिंदु– • अर्थ • जीवन की सार्थकता • आनंद का स्रोत

उत्तर– **(ग)** परहित से व्यक्ति में सक्रिय शारीरिक शक्ति बनी रहती है। शरीर बलवान होकर अपराजेयता को प्राप्त होता है। सहनशील होने से वह अशांत नहीं होता। धैर्य उसे विचलित नहीं होने देता। बल उसमें कुछ कर सकने का सामर्थ्य उत्पन्न करता है। अपना वचन पूरा करने से उसमें आत्मविश्वास जागृत होता है। परिणामस्वरूप परहित से श्री की समृद्धि होती है। सुखपूर्वक लौकिक जीवन में उन्नति करता हुआ व्यक्ति अंत में इंद्रियों को वश में रखते हुए प्राण त्याग कर जन्म–मरण के बंधन से मुक्त होता है।

आप दिव्यमान सूर्य का उदाहरण ले सकते हैं, जो परहित में हमेशा अपने प्रकाश से जग को आलोकित करता रहता है। चन्द्रमा परहित निरत होकर जगत को शीतलता प्रदान कर अपना धर्म निबाहता है। नदियाँ परहित में बहती हैं। गायें परहित के लिये अमृतमय दूध देती हैं। पेड़ अपने सिर पर तीव्र धूप को सहन करता है और अपनी छाया से अपने आश्रितों के संताप दूर करता है। वायु निरंतर बहकर जीवन देती है। समुद्र अपने रत्न परहित लुटाता है। प्रकृति का कण–कण परहित समर्पित है, वह स्वार्थ से ऊपर है।

15. **(क)** अपने विद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा निर्मित हस्तकला की वस्तुओं की प्रदर्शनी के प्रचार –प्रसार हेतु लगभग 40 शब्दों में एक आकर्षक विज्ञापन तैयार कीजिए। **3**

अथवा

(ख) किसी दैनिक समाचार–पत्र में प्रकाशित करने के लिए विज्ञापन का प्रारूप लगभग 40 शब्दों में तैयार कीजिए जिसमें आपके पिताजी द्वारा बेची जाने वाली कार की विस्तृत जानकारी दी गई हो। **3**

उत्तर– (ख)

सफर सुहाना, सुखद बनाए।

विज्ञापन

<u>प्लाजा कार बेचनी है</u>

"आपके सपनों की कार कम दामों में आपके द्वार"

विशिष्ट आकर्षण :
⇒ मॉडल 2013
⇒ आकर्षक सफेद रंग।
⇒ एकदम आपके बजट में आए।
⇒ 1200 सी. सी. पावर स्टेयरिंग।
⇒ पावर ब्रेक।
⇒ सी. एन. जी. किट सहित।
⇒ 2 वर्ष बीमा सहित।

पताः 5–एच– 37, टी. टी. नगर भोपाल, फोन न. 2439587

16. **(क)** अपने आपको राजकीय माध्यमिक विद्यालय के छात्र कल्याण परिषद का अध्यक्ष रवि/रवीना मानते हुए अपने ही विद्यालय के सेवानिवृत्त प्राचार्य को विद्यालय में आयोजित खेल दिवस के कार्यक्रम में अध्यक्ष पद हेतु आमंत्रित करते हुए लगभग 100 शब्दों में पत्र लिखिए। **5**

अथवा

(ख) आपका नाम दीपक/दीपिका है। आपकी दसवीं कक्षा की अंक–सूची कहीं खो गई है। अंक–सूची की द्वितीय प्रति मँगवाने हेतु क.ख.ग. बोर्ड को लगभग 100 शब्दों में प्रार्थना–पत्र लिखिए। **5**

उत्तर– **(ख)** 1–व–7 शास्त्री नगर,
कोटा, (राजस्थान)
दिनांकः 21 फरवरी 2024

श्रीमान् बोर्ड अध्यक्ष,
क. ख. ग. बोर्ड कार्यालय,
अजमेर (राजस्थान)

विषय– अंकसूची की द्वितीय प्रतिलिपि मँगवाने हेतु प्रार्थना पत्र।

महोदय/महोदया,

उपर्युक्त विषय में सविनय निवेदन है कि मैं अपनी अंकसूची की द्वितीय प्रति मँगवाने हेतु प्रार्थना पत्र लिख रहा हूँ क्योंकि ट्रेन में यात्रा के दौरान मेरी मूल अंक तालिका खो गई थी। महोदय, मेरा नाम दीपक/दीपिका है और मैं सत्र 2020 में 10 वीं का छात्र/छात्रा थी। मेरा/मेरी अनुक्रमांक संख्या 126070 था/थी। दुर्भाग्य से, ट्रेन में मेरा/मेरी सामान चोरी हो जाने के कारण मुझे भारी नुकसान हुआ हैं। मैं किसी भी नौकरी के लिए आवेदन नहीं कर पा रहा हूँ /पा रही हूँ।
अब मैं आपसे विनम्रतापूर्वक अनुरोध करता/करती हूँ कि कृपया मुझे तत्काल अंकसूची की द्वितीय प्रति जारी करें और मैं अंकसूची के लिए कोई भी आवश्यक शुल्क जमा करूँगा/करूँगी, ताकि मैं नौकरियों की तलाश जारी रख सकूँ।
धन्यवाद

प्रार्थी
नाम – दीपक/दीपिका

17. **(क)** आपके विद्यालय में आपदा प्रबंधन कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। छात्र कल्याण परिषद के सचिव होने के नाते कक्षा 9 से 12 तक सभी छात्रों को इस कार्यशाला की विस्तृत जानकारी देते हुए लगभग 60 शब्दों में एक सूचना–पत्र तैयार कीजिए। **4**

अथवा

(ख) ग्रीष्मावकाश के दौरान आपके विद्यालय में छात्राओं के लिए आत्मरक्षा शिविर का आयोजन किया जा रहा है। शारीरिक शिक्षा अध्यापक की ओर से कक्षा 6 से 12 तक सभी छात्राओं को इस शिविर की विस्तृत जानकारी देने हेतु लगभग 60 शब्दों में एक सूचना–पत्र तैयार कीजिए। **4**

उत्तर– **(क)**

दिशा डेल्फी ग्लोबल पब्लिक विद्यालय, कोटा (राजस्थान)

सूचना

"आपदा प्रबंधन कार्यशाला का भव्य आयोजन"

दिनांक 21 फरवरी, 2024

विद्यालय परिषद द्वारा आप सभी कक्षा नवीं से बारहवीं तक के विद्यार्थियों को यह सूचित किया जाता है कि आपदा प्रबंधन की ओर से हमारे विद्यालय में एक कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें विषय से संबंधित जानकारियाँ साझा की जाएगी। अतः आप सभी विद्यार्थियों से यह अनुरोध है कि इस कार्यशाला में उपस्थित रहकर इसकी जानकारी लें और इस आयोजन को सफल बनाएँ। कार्यक्रम इस प्रकार हैं–
समय – शाम 5 बजे
स्थान – विद्यालय परिसर

मानव शर्मा
सचिव
छात्र कल्याण परिषद्

18. **(क)** 'सबसे बड़ा खजाना' विषय पर लगभग 100 शब्दों में एक लघुकथा लिखिए। **5**

अथवा

(ख) अपने नये मकान में गृह प्रवेश के उपलक्ष्य में आयोजित प्रीतिभोज में सम्मिलित होने के लिए, अपने मित्र को ई–मेल द्वारा निमंत्रण भेजिए जिसमें सपरिवार पधारने का निवेदन किया गया हो। **5**

उत्तर– एक था लुहार। उसने एक बढ़ई के लिए हथौड़ा बनाया। हथौड़ा बहुत ही सुंदर और मजबूत था। बढ़ई को वह हथौड़ा बहुत पसंद आया। उसने सोचा क्यों न एक हथौड़ा और बनवा लिया जाए। उसने लुहार से कहा,'एक और हथौड़ा बना दो, लेकिन इस बार जो बनाना, वह पहले से भी अच्छा हो। तुम जितने दाम माँगोगे, मैं दूँगा।' लुहार ने कहा, 'नहीं, यह तो नहीं हो पाएगा।' बढ़ई ने पूछा, 'आखिर क्यों? तुम्हें तो मुँहमाँगी कीमत मिल रही है।' लुहार ने कहा, 'कीमत की बात नहीं है। मैं जब कोई चीज बनाता हूँ तो पूरी लगन से, पूरी योग्यता और सारी ताकत लगाकर बनाता हूँ। मैंने यह हथौड़ा बनाते समय ऐसा ही किया था। अब तुम्हीं बताओ, दूसरा हथौड़ा मैं पहले से अच्छा कैसे बना सकता हूँ। अगर मैं कहूँ कि मैं ऐसा कर सकता हूँ तो इसका यह मतलब होगा कि पहले वाले हथौडे में मैंने कुछ कसर छोड़ दी थी। लेकिन यह बात तो सही नहीं है न।' बढ़ई अवाक रह गया। उन दोनों की बातें एक साधु सुन रहे थे। उन्होंने बढ़ई को समझाया, 'देखो इसने बहुत पते की बात कही है। इसके इशारे को समझने की कोशिश करो। काम चाहे छोटा हो या बड़ा, हमें उसे पूरे मनोयोग से करना चाहिए। लगन सबसे बड़ा खजाना है, जिसका जितना ज्यादा इस्तेमाल होगा, यह उतना ही बढ़ेगा। और हाँ, श्रम की कीमत नहीं लगाई जा सकती।' बढ़ई लज्जित हो गया। उसने लुहार से क्षमा माँगी।
शिक्षा– लगन सबसे बड़ा खजाना है, जिसका जितना ज्यादा इस्तेमाल होगा, यह उतना ही बढ़ेगा।